मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

MHD–001

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम. ए. हिन्दी) (एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.एच.डी.-001 : हिन्दी काव्य-I

(आदि काव्य, भक्ति काव्य एवं रीति काव्य)

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *कुल **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) पांडे बूझि पियहु तुम पानी।

जिहि मिटिया के घरमहँ बैठे, तामहँ सिस्ट समानी।

छप्पन कोटि जादव जहँ भींजे, मुनिजन सहस अठासी ॥

पैग पैग पैगम्बर गाड़े, सो सब सरि भा माँटी ।

तेहि मिटिया के आँड़े पांड़े, बूझि पियहु तुम पानी ॥

(ख) 'ऊधो ! मोहिं ब्रज बिसरत नाहीं' ।

हंस सुता की सुंदरि कगरी अरु कुंजन की छाहीं ॥

वै सुरभी, वै बच्छ दोहनी, खरिक दुहावन जाहीं ॥

ग्वालबाल सब करत कुलाहल नाचत गहि गहि बाहीं ॥

यह मथुरा कंचन की नगरी मनि–मुक्ताहल जाहीं ॥

(ग) किसबी, किसान–कुल, बनिक, भिखारी, भाट,

चाकर, चपल नट, चोर, चार चेटकी ।

पेट को पढ़त, गुन गढ़त चढ़त गिरि,

अटत गहन–गन अहन अखेटकी ॥

(घ) अधिक बधिक तें सुजान, रीति रावरी है,

कपट-चुगौ दे फिरि निपट करौ बुरी।

गुननि पकरि लै, निपाँख करि छारि देहु,

मरहि न जियै, महा विषम दया-छुरी।

2. विद्यापति की भाषा के सौंदर्य को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 10

3. कबीर के दर्शन के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डालिए। 10

4. एक कवि के रूप में मलिक मुहम्मद जायसी का मूल्यांकन कीजिए। 10

5. सूरदास की काव्यात्मक उत्कृष्टता के प्रमुख आधारों का वर्णन कीजिए। 10

6. रीति काव्य परंपरा में घनानंद के महत्व पर प्रकाश डालिए। 10

7. बिहारी के शृंगार वर्णन की विशेषताओं को सोदाहरण रेखांकित कीजिए। 10

8. पद्माकर के काव्य-शिल्प और भाषा पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। 10

× × × × ×